पाठ १३ पेड़ों की अम्मा ' थिमक्का '

कहानी का सारांश

श्रीमती थिमक्का, जिन्हें अम्मा और वृक्षमाता के नाम से भी जाना जाता है, कर्नाटक में रहने वाली 107 वर्षीय पर्यावरणविद् हैं। पिछले 80 वर्षों से वे सड़कों के किनारे पेड़ लगा रही हैं। उन्होंने हुलिक्का और कुदुर के बीच 45 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर 385 बरगद के पेड़ और 8000 से अधिक अन्य पेड़ लगाए हैं।

पैसे की कमी के कारण, उन्होंने शुरुआत में एक खान में मजदूर के रूप में काम किया था। उनके पति ने उनके इस कार्य में उनका पूरा साथ दिया।

पर्यावरण के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए, भारत सरकार ने उन्हें 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया।

आज भी, वे सक्रिय रूप से सामाजिक कार्यों में भाग लेती हैं और भारत के कई वनीकरण कार्यक्रमों में आमंत्रित की जाती हैं।

थिमक्का उन लोगों के लिए प्रेरणा हैं जो कठिनाइयों के बावजूद भी समाज के लिए योगदान करने की इच्छा रखते हैं।

शब्दार्थ

अम्मा	:	माँ, विशेष रूप से सम्मानजनक रूप से संबोधित करते हुए।
वृक्षमाता	:	वृक्षों की देवी।
सालूमरदा	:	कन्नड़ भाषा में पेड़ों की पंक्ति।
रमणीय	:	सुंदर और आनंददायक।
निष्ठा	:	किसी कार्य या व्यक्ति के प्रति पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता।
श्रध्दा	:	किसी व्यक्ति, वस्तु या विचार के प्रति गहन सम्मान और विश्वास।
सम्मानित	:	किसी को उच्च पद या प्रतिष्ठा देकर सम्मानित करना।
पद्मश्री	:	भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान।
सामाजिक कार्य	:	समाज के लाभ के लिए किए जाने वाले कार्य।
प्रेरणा	:	किसी को प्रेरित करने या प्रोत्साहित करने की शक्ति या क्षमता।

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. पड़े हमारे किस-किस काम आते हैं?

उत्तर:- पेड़-पौधों का मानव जीवन में बड़ा महत्व है। पेड़ हमें ऑक्सीजन, तमाम प्रकार के फल-फूल, जड़ी बूटियां और लकड़ियां आदि भी देते हैं।

2. क्या आपने कभी किसी पौधे की देखभाल की है? कैसे?

उत्तर:- हा, पौधों को समयपर खाद देना, पानी देना, पौधों की कटाई, पौधों पर कीटनाशक दवाइयाँ का छिटकाव करना, पौधों को ज्यादा धूप लगवाने से बचाना।

3. यदि आपको समाज के लिए उपयोगी काम करने का अवसर मिले तो आप कौन-सा काम करेंगे?

उत्तर:- मैं पर्यावरण की रक्षा करना चाहता हूँ और हवा को साफ रखना चाहता हूँ। इसलिए मैं पेड़ लगाऊंगा और लोगों को भी पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

सोचिए और लिखिए

1. थिमक्का अपने किस काम के कारण प्रसिद्ध हुई?

उत्तर:- थिम्मक्का हजारों पेड़ लगाने, खासकर 45 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर 385 बरगद के पेड़ लगाने के लिए प्रसिद्ध हुईं।

2. थिमक्का को और किस-किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर:- थिम्मक्का को अम्मा और वृक्षमाता के नाम से भी जाना जाता है।

3. अम्मा ने बरगद के पौधे लगाने क्यों शुरू किए थे?

उत्तर:- पैसे की कमी के कारण, अम्मा ने शुरुआत में एक खान में मजदूर के रूप में काम किया था। खान में काम करते हुए, उन्होंने देखा कि कैसे पेड़ों की कमी से धरती सूख रही है और गर्मी बढ़ रही है। इसलिए, उन्होंने पर्यावरण को बचाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर दुनिया बनाने के लिए पेड़ लगाना शुरू किया।

4. इतने सारे पेड़ लगाने के लिए अम्मा को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा होगा?

उत्तर:- अम्मा को पेड़ लगाने के लिए नीचे दी गई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था।

- पैसे की कमी
- समय की कमी
- लोगों का विरोध
- प्राकृतिक चुनौतियां

पाठ के आगे

1.यदि आपको थिमक्का अम्मा का परिचय देना हो तो आप कैसे देंगे?

उत्तर:-

नमस्ते! मैं आपको श्रीमती थिमक्का, जिन्हें अम्मा और वृक्षमाता के नाम से भी जाना जाता है, से परिचित कराना चाहता/चाहती हूँ।

अम्मा कर्नाटक की रहने वाली 107 वर्षीय पर्यावरणविद् हैं। उन्होंने अपने जीवन में 8000 से अधिक पेड़ लगाए हैं, जिनमें से 385 बरगद के पेड़ 45 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर लगे हैं।

उन्होंने पैसे की कमी के बावजूद भी हार न मानते हुए यह सब हासिल किया। अम्मा को उनके इस अमूल्य कार्य के लिए भारत सरकार ने 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया।

www.onepointlearning.com

वे आज भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं और भारत के कई वनीकरण कार्यक्रमों में आमंत्रित की जाती हैं। अम्मा उन लोगों के लिए प्रेरणा हैं जो कठिनाइयों के बावजूद भी समाज के लिए योगदान करने की इच्छा रखते हैं।

2. यदि आपको अम्मा के काम में उनकी सहायता करने का अवसर मिले तो आप कैसे करेंगे?

उत्तर:- यदि मुझे अम्मा के काम में उनकी सहायता करने का अवसर मिले तो मैं:

- पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने में उनकी मदद करूंगा।
- उन्हें वनीकरण कार्यक्रमों और अन्य सामाजिक कार्यों में सहायता करूंगा।
- उनकी कहानी और उनके संदेश को दूसरों तक पहुंचाने में मदद करूंगा।
- पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में उनकी मदद करूंगा।

भाषा की बात

1. थिमक्का में क्का आया है। ऐसे व्यंजनों को द्रित्व व्यंजन कहते हैं। ऐसे और शब्द सोचकर दिए गए स्थान पर लिखिए-

रस्सी	गप्पू
सज्जा	पत्ता
अम्मा	बिल्ली

2. पेड़ को वृक्ष भी कहा जाता है। क्या आप बता सकते हैं कि अलग-अलग भाषाओँ में पेड़ को क्या-क्या कहा जाता है-

पादप ..... तरु ..... गाछ .....

3. कई बार, हम एक वर्ण और एक अक्षर को मिलाकर एक नया संयुक्त अक्षर बनाते हैं, जैसे-

संयुक्ताक्षर	उदाहरण		
क् + ष = क्ष	क्षमा	दक्ष	पक्ष
ज् + ञ = ज्ञ	ज्ञान	विज्ञान	आज्ञा
त् + र = त्र	पत्र	चित्र	मित्र
श् + र = श्र	श्रम	आश्रम	श्रमिक

www.onepointlearning.com

उपरोक्त उदाहरणों के आधार पर नीचे दिए गए चित्रों को देखकर शब्द पूरे कीजिए-

वृक्ष

नेना

त्रिभुज

कक्षा

श्रमिक

कुछ नया करें

1. आपने थिमक्का के बारे में पढ़ा और उनके काम से प्रेरित हुए। थिमक्का को एक पत्र लिखकर उन्हें अपने मन की बात बताइए-

उत्तर:-

पूज्य अम्मा,

सादर प्रणाम

आज मैं आपको यह पत्र लिख रहा/रही हूँ क्योंकि मैं आपके अद्भुत काम से अत्यंत प्रेरित हुआ/हुई हूँ।

आपने हजारों पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर दुनिया बनाने का जो अथक प्रयास किया है, वह मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आपके दृढ़ संकल्प, समर्पण और साहस ने मुझे सिखाया है कि यदि हम दृढ़निश्चयी हों और दूसरों के लिए अच्छा काम करने की इच्छा रखते हैं, तो हम कोई भी मुश्किल पार कर सकते हैं।

आपके जीवन और कार्यों ने मुझे प्रेरित किया है कि मैं भी अपने जीवन में कुछ सार्थक कर सकूं।

मैं आपके द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करूँगा/ करुँगी और पर्यावरण की रक्षा के लिए अपना योगदान देने का प्रयास करूँगा / करुँगी।

आपके द्वारा स्थापित किए गए वनीकरण कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका समर्थन करने का मैं वादा करता/करती हूँ।

मैं अपने दोस्तों और परिवार को आपके बारे में बताऊँगा / बताऊँगी और उन्हें भी पर्यावरण संरक्षण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहितकरूँगा / करुँगी।

आपके जीवन और कार्य हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

भगवान आपको स्वस्थ और दीर्घायु बनाये रखे ऐसी प्राथना करता/ करती हूँ।

आपका/आपकी,

(आपका नाम)

Free worksheets, Learning material, practice tests & more at www.onepointlearning.com

2. चित्र देखकर उन वस्तुओं पर गोला बनाएँ जो हमें पेड़ों से मिलती हैं-

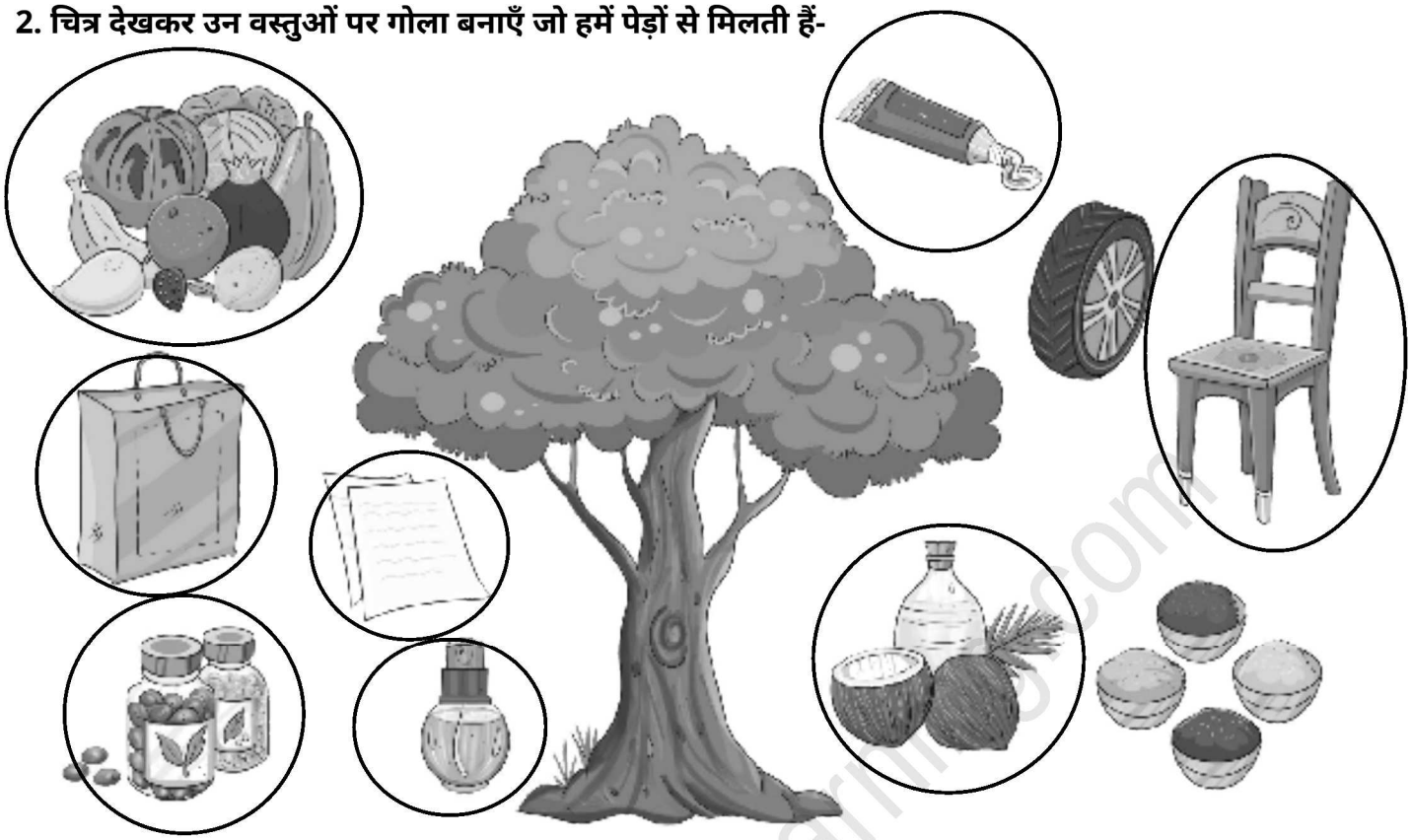

www.onepointlearning.com